देवघर। प्रोजेक्ट भवन में पांचवीं जेपीएससी के चयनित 88 उम्मीदवारों को राज्य के सीएम रघुवर दास द्वारा नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इसके बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि राज्य में विकास कार्य की धीमी गति का बड़ा कारण नियुक्तियों के लिए परीक्षा नहीं होना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षाएं नहीं होने की वजह से बड़ी संख्या में राज्य के योग्य छात्रों की उम्र पार हो गई हैं। राज्य में हर साल परीक्षा होती, तो अब तक कई लोगों को रोजगार मिल चुका होता। कहा कि राजनीतिक अस्थिरता और स्थानीय नीति परिभाषित नहीं होने की वजह से नियुक्तियों की गति प्रभावित हुई है।

सीएम ने कहा कि हर साल जेपीएससी और एसएससी की परीक्षा होनी चाहिए थी, लेकिन अब सरकार ने तेजी से नियुक्तियों पर काम शुरू कर दिया है। इस बार छठी और सातवीं जेपीएससी की परीक्षा एक साथ लेने का फैसला किया गया है। परीक्षा में राज्य की नौ जनजातीय भाषाओं को भी शामिल किया गया है।

यह भी पढ़े :

- डेढ़ साल बाद चाईबासा जेल से फरार नक्सली गिरफ्तार
- कांग्रेस के दो विधायकों पर हो सकती है कार्रवाई
- दिल्ली ऊर्जा राज्यमंत्री के अधिकारी से 2.5 करोड़ की ठगी
- मॉडल स्कूलों में होगी 1700 पदों पर भर्तियां
- मजबूर मां ने बेच दिया तीन दिन का बच्चा!